आप नेताओं के दबाव में आचार संहिता का पालन नहीं कर रहे अधिकारी: हिनू महाजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की पवक्ता हिनू महाजन ने कहा की लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही पूरे देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है लेकिन दिल्ली में आम आदमी पार्टी के दबाव के कारण इसका ढंग से पालन नहीं हो रहा है हिनू महाजन ने कहा कि जब चुनावघोषिति हो जाता है सार्वजनिक स्थानों पर मुख्यमंत्री मंत्री जनप्रतिनिधि सभी के होल्डिंग हटा दिए जातेहैं यहां तक की उनके नाम वाले बोर्ड पर भी रंग लगा दिया जाता है लेकिन यहां ऐसा ना होना चौंकाने वाला है हिनू महाजन ने कहा कि, नई सीमापुरी एवं कस्तूरबा नगर, झिलमिल के कई मोहल्ला क्लीनिको का दौरा किया और पाया कि उनकी दीवारों पर दिल्ली सरकार ने अभी तक विज्ञापन लगा रखे हैं, जो कि पूरी तरह से चुनाव आचार संहिता का खुल्लम खुल्ला उल्लंघन है। उन्होंने यह भी बताया कि मोहल्ला क्लिनिक की दीवारों पर जो विज्ञापन लगा रखे हैं, उसमें आज भी सतेंद्र जैन को स्वास्थ्य मंत्री दिखाया गया है और मनीष सिसोदिया को शिक्षा मंत्री दिखाया गया है, जबकि ना ही वह कोई मंत्री है जबकि हकीकत तो यह है कि वह जेल में है और ना ही आज की तिथि उनको इस तरह से विज्ञापन लगने चाहिए। यह विज्ञापन पूरी तरह से जनता के साथ धोखा है और यह आचार संहिता का खुल्लम खुल्ला उल्लंघन है। उन्होंने मांग की है कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वाले लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मोहल्ला क्लिनिको को दिल्ली सरकार ने विज्ञापन का अड्डा बना रखा है। साथ में उन्होंने यह कहा कि यह मोहल्ला क्लिनिक की नौटंकी दिल्ली सरकार को बंद करनी चाहिए और दिल्ली की आम जनता को आयुष्मान योजना का लाभ देना सुनिश्चित करना चाहिए? आयुष्मान योजना के तहत कोई भी गरीब व्यक्ति सरकारी हस्पताल या प्राइवेट हॉस्पिटल में 5 लाख तक का इलाज मुफ्त करा सकता है। तो फिर इस तरह के मोहल्ला क्लिनिक की क्या जरुरत, जब आम व्यक्ति को प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज मिल सकता है, लेकिन दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार से अपनी राजनीतिक प्रतिद्वंदिता के चलते हुए, प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारतीय योजना दिल्ली में लागू नहीं होने दी, जिससे कि गरीब जनता को उचित इलाज नहीं मिल पा रहा है और वह अपने मोहल्ला क्लिनिक की ड्रामेबाजी कर रहे हैं।

राजधानी में ड्रोन से बरसेंगे फूल, लट्ठमार होली का भी आयोजन

नई दिल्ली। होली को लेकर मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई है। इस बार राजधानी में बरसाने की लट्ठमार होली से लेकर ड्रोन से फूल बरसते दिखेंगे। द्वारका स्थित इस्कॉन मंदिर में 24 और 25 मार्च को दो दिवसीय होली उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान भगवान श्री कृष्ण को 100 किलोग्राम केक का भोग लगाया जाएगा। पांच हजार किलोग्राम फूलों की पंखुड़ियों से श्री कृष्ण के साथ होली खेली जाएगी। इस बार लट्ठमार होली विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। साथ ही मटका फोड़ कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित इस्कॉन के राष्ट्रीय संपर्क निदेशक वृजेंद्र नंदन दास के अनुसार, प्रसाद के रूप में ठंडाई और ब्रज के व्यंजन श्रद्धालुओं को वितरित किए जाएंगे। ड्रोन की मदद से फूलों की बरसात की जाएगी। वहीं, छतरपुर मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. किशोर चावला ने बताया कि दो दिन तक मंदिर में होली उत्सव मनेगा। इसके लिए मंदिर परिसर को देसी-विदेशी फूलों से सजाया जाएगा। फूलों की होली खेली जाएगी। उन्होंने बताया कि संयोगवश इस बार बाबा नागपाल की 100वीं जयंती भी पड़ रही है तो होली धूमधाम से मनाने की तैयारी है। अखिल भारतीय ज्योतिष परिषद् के राष्ट्रीय महासचिव आचार्य कृष्णदत्त शर्मा ने बताया कि होलिका दहन का शुभ समय 24 मार्च को रात 11 बजकर 13 मिनट के बाद का है। भद्रा अर्द्धरात्रि से पहले 11 बजकर 13 मिनट पर समाप्त हो रही है। जबकि अगले दिन 25 मार्च को प्रदोष काल नहीं है।

मकोका मामले में जांच अवधि बढ़ाने की अपील खारिज

नई दिल्ली। तीस हजारी कोर्ट ने मकोका के तहत दर्ज मामले की जांच अवधि बढ़ाने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि जांच अवधि यंत्रवत नहीं बढ़ाई जा सकती है। मामला गैंगस्टर सलमान त्यागी से जुड़ा हुआ है। दिल्ली पुलिस ने दिसंबर 2023 में गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों से संबंधित जांच को पूरा करने के लिए 90 दिनों के विस्तार की मांग की थी। एडिशनल सेशन जज (एएसजे) शिवाली शर्मा ने जांच अधिकारी (आईओ) द्वारा दायर आवेदन को खारिज कर दिया, जिसमें समय बढ़ाने की मांग की गई थी। जांच सौरभ कुमार उर्फ भिंडा और रोहित से जुड़ी है। एएसजे शिवाली शर्मा ने 19 मार्च को पारित आदेश में कहा कि वर्तमान मामले में, जांच एजेंसी या अभियोजन पक्ष 90 दिनों से अधिक समय तक आरोपी व्यक्तियों की हिरासत के लिए कोई विशेष कारण रिकॉर्ड में लाने में विफल रहा। आईओ इस मामले की आकस्मिक तरीके से जांच कर रहा है और अवधि बढ़ाने के लिए 90 दिनों के अंत में नोटिस जारी कर रहा है। ऐसे में समय सीमा का विस्तार नहीं दिया जा सकता है। निर्धारित समय में जांच पूरी नहीं होने पर आरोपी को जमानत दे दी जाती है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त, 2019 को पुलिस स्टेशन हरि नगर में मकोका के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने 26 आरोपियों में से 18 को गिरफ्तार कर लिया है। 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। एक आरोपपत्र और पांच पूरक आरोपपत्र दाखिल किए गए हैं।

पचास लाख से ज्यादा के सोने समेत तस्कर दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर पचास लाख रुपये से ज्यादा कीमत के सोने के साथ एक तस्कर को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई का जा रही है। मदीना से विमान के जरिए दिल्ली हवाई अड्डे पहुंचे एक व्यक्ति की संदेह के आधार पर तलाशी ली तो उसके पास से 995 ग्राम सोना बरामद हुआ, जिसकी कीमत 57 लाख 99 हजार रुपये आकी गई।

फर्जी वीजा पर जर्मनी भेजने वाला एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली। फर्जी वीजा पर दो यात्रियों को जर्मनी भेजने वाले एजेंट को एयरपोर्ट पुलिस ने बुधवार को करनाल से दबोच लिया। मामला वर्ष 2022 का है और तब से ही पुलिस एजेंट की तलाश कर रही थी। जानकारी के मुताबिक, मूलरूप से पंजाब के पटियाला निवासी एजेंट ने वर्ष 2022 में दो लोगों को फर्जी वीजा पर जर्मनी भेजा था। योजना यह थी कि दोनों यात्रियों को पहले भारत से जर्मनी फिर वहां से अमेरिका भेजा जाना था। इसके लिए उसने दोनों यात्रियों से दस लाख रुपये भी लिए। उक्त दोनों यात्री फर्जी वीजा के आधार पर जर्मनी पहुंच गए, लेकिन वहां सुरक्षा अधिकारियों ने दस्तावेज को फर्जी पाया और दोनों को भारत भेज दिया। दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचते ही दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इसके बाद उन्होंने एजेंट के बारे में जानकारी दी। पुलिस टीम लंबे समय से एजेंट की तलाश कर रही थी।

एनडीएमसी क्षेत्र में पर्यावरण का है बुरा हाल

नई दिल्ली। राजधानी नागरिक कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रीतम धारीवाल ने कहा कि बढ़ते पॉल्यूशन पर उपराज्यपाल की लताड़ से ना तो एन डी एम सी के कान पर ना ही अन्य सिविक एजेंसियों के कान पर जूं रेंगती है। सरकारी कर्मचारियों की कॉलोनी के बीचोबीच सीमेंट रोड़ी का मिक्सचर कई सालों से चल रहा है। उद्यान मार्ग पार्क में सी एंड डी विभाग द्वारा जगह जगह से लाकर मालवा डंप किया जा रहा है धूल उड़ कर लोगों के की स्वांस नली को प्रभावित करती है आरडब्ल्यूए के लोगों का कहना है कि लंबे समय से शिकायतें की जा रही हैं परंतु असर साबित नहीं हो पा रहे। एरिया फेडरेशन राजधानी नागरिक कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रीतम धारीवाल कहते हैं कि मामला उपराज्यपाल महोदय की जानकारी में डाला जा चुका है, समय समय पर एन डी एम सी और अन्य एजेंसियों से वाद विवाद भी होते रहे हैं परंतु परिणाम थनथन रहा है। समिति अध्यक्ष प्रीतम धारीवाल कहते हैं कि बैयर्ड लेन मार्किट पर 8 और टी टी पार्क पर लगभग 15 क्यूबिक मलवा पड़ा है, उध्यान मार्ग पार्क में तो सैंकड़ों क्यूबिक मीटर मालवा पालिका द्वारा खुद धूल से प्रदूषण फैलाने के लिया डाला जा रहा है। धारीवाल कहते हैं कि आलम ये हो चुका है कि हैवलक स्क्वायर के अटल स्कूल के कूड़े से पांच छ सांप निकल आए। सिविल इंक्वायरी के कर्मचारी भाग खड़े हुए, बताया जा रहा है की ये जीवित सांप वापस खड्डे में चले गए उन्हे निकाला नहीं गया है बच्चों को इनसे खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा की वास्तविकता ये है कि पोल्यूशन को लेकर सरकार गंभीर नहीं है।

महंगाई और बेरोजगारी है जनता के सबसे बड़े मुद्दे : सुमित शर्मा

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव में महंगाई और बेरोजगारी जनता के सबसे बड़े मुद्दे है। यह कहना है दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के डेलिगेट सुमित शर्मा का। सुमित शर्मा कहते है भारतीय जनता पार्टी जनता को गुमराह कर इन मुद्दों से जनता का ध्यान भटकना चाहती है। लेकिन देश की जनता यह भली भांति जानती है कि नई दिल्ली लोकसभा चुनाव की आहट के बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार नें रसोई गैस के साथ-साथ डीजल पैट्रोल के कुछ दाम घटाए हैं ताकि लोगो को भ्रमित किया जा सके। लोकसभा चुनावों में महिलाओं की सहानुभूति प्राप्त करने के लिए भाजपा सरकार ने गैस सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये कम करके लोगों को गुमराह किया है जबकि कांग्रेस सरकार के समय गैस सिलेंडर की सिर्फ 410 रुपये था। उन्होंने कहाकि पिछले 10 वर्षों में महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण से जुड़े विषयों पर भाजपा सरकार ने असंवेदनशीलता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1987 में महिला आरक्षण का प्रस्ताव रखा था जिसे कांग्रेस सरकार ने राज्यसभा में 2010 में पारित कर दिया था। जिसके तहत महिलाओं के लिए लोकसभा, विधानसभा, निगम सहित पंचायती राज तक आरक्षण लागू करने की आधारशिला रखी थी। सुमित शर्मा ने कहा कि बहुत ही दुख और तकलीफ की बात है कि भाजपा सरकार ने सबसे ज्यादा नुकसान देश के लोकतंत्र का किया है। महिला आरक्षण की बात करने वाली भाजपा की सरकार और संगठन में क्या महिलाओं, वंचितों और पिछड़ों को पर्याप्त आरक्षण नही दिया है? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में जहां महिला न्याय के लिए भी लड़ाई लड़ी गई। जिसके कारण महिलाओं का न्याय यात्रा को भरपूर समर्थन मिला।

भाजपा छोड़ आप में हुए दर्जनों लोग शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं पार्टी नेताओं का एक दूसरे दलों में आना जाना शुरू हो गया है। उसी कड़ी के तहत आज आम आदमी पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी सांसद कुलदीप कुमार, अधिवक्ता दीपक बंसल पूर्व डूसू सचिव व सुरेंद्र चौहान पूर्व निगम प्रत्याशी, की मौजूदगी में भाजपा व युवा मोर्चा के जिला व मण्डल के अनेक कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन छोड़कर आम आदमी पार्टी कीसदस्यता ग्रहण की। अधिवक्ता कुलदीप कुमार (पूर्व अधिवक्ता प्रकोष्ठ) अनिल कुमार, (पूर्व मंडल उपाध्यक्ष), अभिषेक बेनीवाल (पूर्व जिला मंत्री युवा मोर्चा, पूर्व मण्डल

अध्यक्ष युवा मोर्चा पटपरगंज मण्डल), गुलशन कुमार, (पूर्व ज़िला मंत्री युवा मोर्चा) अधिवक्ता राहुल बसल (पूर्व मण्डल अध्यक्ष फ़ेस-वन युवा मोर्चा), रूपचन्द सैनी (पूर्व मण्डल अद्यक्ष फेस-वन), प्रदेश कार्यकार्णी युवा मोर्चा, राजेश सोनी (प्रचार मंत्री युवा मोर्चा), विक्की यादव पूर्व जिला मंत्री पूर्वांचल मोर्चा), नीरज कुमार (पूर्व जिला मंत्री युवा मोर्चा), दीपक (पूर्व मण्डल उपाध्यक्षा युवा मोची) संजीव चौहान उर्फ अजय (पूर्व किसान मोर्चा अध्यक्ष), अनूप मीणा (जिला मंत्री एस.टी मोर्चा), निखिल (पूर्व मण्डल मंत्री) इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक त्रिलोकपुरी रोहित मेहरोलिया, निगम पार्षद त्रिलोकपुरी विजय कुमार, पूर्व प्रत्याशी सुरेंद्र चौहान, ईश्वर चन्द्र झा, रोशन सहाय व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

होली के मौके पर केमिकल युक्त रंगों से करें बचाव डॉक्टर आर पी पाराशर

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम केमुख्य चिकित्सा अधिकारी आयुष डॉक्टर आर पाराशर ने कहां होली के अवसर पर बाजार में केमिकल युक्त रंगों की भरमार है जो त्वचा के साथ-साथ शरीर के अन्य अंगों के लिए भी हानिकारक सिद्ध हो सकते हैं। कुछ वर्षों पहले तक टेसू के रंगों का होली के अवसर पर बहुतायत से प्रयोग किया जाता था लेकिन अब प्राकृतिक उत्पादों की जगह कृत्रिम रंगों ने ले ली है जिनमें माइका, कॉपर सल्फेट, लेड ऑक्साइड आदि नुकसान दायक केमिकल होते हैं। अगर होली के रंग का आनंद लेना है तो बेहतर है कि थोड़े से प्रयास से ही घर पर इको फ्रेंडली हर्बल गुलाल और रंग तैयार किये जाएं जो त्वचा के साथ-साथ संपूर्ण शरीर के लिए सुरक्षित हो। इसके लिए विभिन्न पेड़-पौधों के फूल, पत्ते, और जड़ों का प्रयोग कर सकते हैं। डॉ पाराशर ने कहा इन्हें मैदा, बेसन या संतरों के छिलकों के साथ मिक्स करके अच्छा गुलाल तैयार किया जा सकता है। आजकल दिन में अच्छी तेज धूप निकल रही है, इसलिए इन्हें मिक्स करने के कुछ घंटे बाद ही गुलाल तैयार हो जाएगा। वहीं पानी के रंगों के लिए इन्हें ग्राइंडर में पीसकर सीधे पानी में मिक्स कर सकते हैं। हालांकि मौसम में सुबह शाम की ठंड है इसलिए होली पर पानी के बजाय गुलाल का ही प्रयोग करें तो बेहतर होगा। डॉ पाराशर ने कहा कि फूलों की बात करें तो इस समय टेसू यानी पलाश के फूलों की बहार आई हुई है और सड़कें टेसू के फूलों से अटी पड़ी हैं। इन्हें इकट्ठा कर हम लाल रंग का गुलाल या रंग बना सकते हैं। लाल रंग के लिए गुड़हल के फूलों का भी प्रयोग किया जा सकता है। गुलाबी रंग के लिए चुकंदर, हरे रंग के लिए मेहंदी, पालक या धनिया के पत्ते व पीले रंग के लिए गेंदे के फूल, कच्ची हल्दी या हल्दी पाउडर को प्रयोग में लाया जा सकता है। त्वचा के लिए सुरक्षित होने के साथ-साथ इन सब के अपने औषधीय फायदे भी हैं। इसके अलावा त्वचा को खराब होने से बचाने के लिए सुबह बालों, सिर, चेहरे और हाथों पर सरसों या नारियल का तेल लगाकर होली खेलें, साथ ही पूरी बाजू के कपड़े पहनें।

लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित हुए डॉ. तरंग कृष्णा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व कैंसर कांग्रेस के आठवें संस्करण के समापन अवसर पर कैंसर के इलाज में उत्कृष्ट कार्य के लिए कैंसर हीलर सेंटर के निदेशक डॉ. तरंग कृष्णा को लाइफ टाइम एचीवमेंट सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं डॉ. दीपिका कृष्णा को कैंसर के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए सम्मानित किया। यह सम्मान देश–दुनिया के प्रमुख कैंसर रोग विशेषज्ञों की मौजूदगी में दिया गया।

जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय के कन्वेशन सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में देश–दुनिया के विशेषज्ञों ने कैंसर के प्रति लोगों को जागरुक करने और इसको जड़ से समाप्त करने के उपायों पर चर्चा की। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत में कैंसर हीलर सेंटर के निदेशक डॉ. तरंग कृष्णा ने बताया कि आज उन्हें जो सम्मान मिला है उसके लिए वे आयोजन समिति के प्रति आभारी हैं। तीन दिनों तक चले इस सम्मेलन में डॉ. कृष्णा ने 100 कैंसर पीड़ितों पर अध्ययन करके उनका इलाज किया। इस दौरान कैंसर पीड़ितों ने काफी राहत महसूस की।

डॉ. तरंग कृष्णा ने बताया कि डॉ.कृष्णा ने बताया कि कैंसर जैसी भयावह बीमारी का नाम सुनते ही लोगों के मन में एक डर पैदा हो जाता है। लेकिन अब कैंसर लाइलाज नहीं है। आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने कैंसर जैसी बीमारी को लेकर डर खत्म कर दिया है। उन्होंने बताया कि 8वीं विश्व कैंसर कांग्रेस 2024 में वैश्विक स्तर पर नए विचारों और अवधारणाओं और कैंसर जीवविज्ञान और जेनेटिक्स, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद और कैंसर, अंग-परिभाषित कैंसर, ऑन्कोलॉजी-उप-विशेषताओं, विकिरण ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल विषयों पर चर्चा की गई। डॉ. तरंग कृष्णा ने लोगों से और मीडिया से यह आह्वान किया कि इस अभियान में हमारे साथ जुड़ें क्योंकि हम कैंसर के बोझ को कम करने और दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए आशा लाने के नेक प्रयास में लगे हैं। हम सब मिलकर इस अनवरत बीमारी के खिलाफ जीत सकते हैं और एक उज्जवल और स्वस्थ भविष्य का राह खोल सकते हैं। सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कहा कि कैंसर के अलग-अलग बीमारियों के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। जो उपचार कुछ कैंसरों के लिए काम करते हैं वे दूसरों के लिए काम नहीं करते हैं और कभी-कभी वे उपचार काम करना बंद कर देते हैं। इस वर्ष विश्व कैंसर कांग्रेस में कैंसर उपचार के प्रति होम्योपैथी दृष्टिकोण, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी चिकित्सा आदि जैसे कैंसर पर स्वदेशी उपचार पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। इस अवसर पर कैंसर हीलर सेंटर की निदेशिका डॉ. दीपिका कृष्णा ने कैंसर से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी बीमारी से बचाव हो सकता है अगर समय रहते इसका समुचित इलाज किया जाए।

वृद्ध आश्रम की महिलाओं के साथ मनाया होली उत्सव : डॉ अनिंदिता दीक्षित

नई दिल्ली। सम्पूर्ण फाउंडेशन ट्रस्ट की निदेशक डॉ. अनिंदिता दीक्षित एवं ट्रस्ट की अन्य महिला साथियो ने मौजपुर स्थित वृद्धाश्रम की बुजुर्ग महिलाओ के साथ मनाया होली का त्योहार. मौजपुर शाहदरा की कृष्णा गली में स्थित वृद्ध आश्रम नारी उत्थान समिति जहा पर करीब 50 बुजुर्ग महिलाये अपना जीवन आश्रम की संचालिका श्रीमती संतोष शर्मा के सानिध्य में जी रही है, उन सभी बुजुर्ग महिलाओ के साथ रंग गुलाल और चंदन लगा, मिठाई और फल खिला कर सम्पूर्ण फाउंडेशन निदेशक डॉ अनिंदिता दीक्षित के साथ फाउंडेशन की महिला सदस्यों बबीता शर्मा, वंदना शर्मा, दीपिका ठाकुर, अर्चना गुप्ता, पूनम त्यागी और प्रतिभा गुप्ता ने होली का पर्व उत्साह पूर्वक मनाया. आश्रम में रहने वाली ये बुजुर्ग महिलाये अनाथ नहीं है अपना घर होते हुए भी वृद्ध आश्रम में रहने पर मजबूर है. कोई अन्य सहारा ना होने के कारण इन बुजुर्ग महिलाओ ने इस वृद्ध आश्रम में आश्रय लिया है. सम्पूर्ण फाउंडेशन की निदेशक डॉ अनिंदिता दीक्षित ने बताया की सभी त्योहारों पर फाउंडेशन की महिलाये वृद्ध आश्रम आकर इन वृद्ध और असहाय महिलाओं के साथ उत्सव पर्व मनाती है जिससे इनके अकेले होने के अहसास को कुछ कम किया जा सके. आश्रम में रहने वाली सभी वृद्ध माताओ ने ढोलक की थाप होली के भजन गाये और जमकर डांस किया. वृद्ध अनाथ महिलाओ की खुशी उनकी आखो से बहते खुशी और उन आंसुओ में छुपे गम को बया कर रहे थे. सभी बुजुर्ग महिलाओ ने सम्पूर्ण फाउंडेशन के महिलाओं को खूब आशीर्वाद देकर विदा किया.

दीपक बाबरिया से मिला उत्तरी पूर्वी लोकसभा कांग्रेस नेताओं का प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली। उत्तरी पूर्वी लोकसभा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं दिल्ली के प्रभारी दीपक बाबरिया से मुलाकात कर उत्तरी पूर्वी लोकसभा से जल्द प्रत्याशी की घोषणा करने की मांग की जिससे क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को अपने प्रत्याशी को विजयी बनाने के लिए उचित समय मिले और कार्यकर्ताओं में उत्साह बना रहे। प्रतिनिधिमंडल में क्षेत्र से सुनील वशिष्ठ, संजीव शर्मा, मयंक चतुर्वेदी, मंगतराम गर्ग, पूर्व निगम पार्षद रेखा वशिष्ठ, फूलवती भंवरा, नीति गर्ग, राहुल वशिष्ठ, कमल शर्मा, राधेश्याम सागर और कई वरिष्ठ कार्यकर्ता थे। प्रतिनिधिमंडल ने दीपक बाबरिया से यह निवेदन किया की पार्टी जमीन से जुड़े प्रत्याशी को चुनावी मैदान में उतारे जो दो बार के सांसद को कड़ी चुनौती दे सके। दीपक बाबरिया ने प्रतिनिधिमंडल के द्वारा रखी बातों को ध्यान से सुना व प्रतिनिधिमंडल को इस बात का आश्वासन दिया की कांग्रेस पार्टी जल्द ही दिल्ली में अपने लोकसभा प्रत्याशियों की सूची को जारी करेगी व जमीन से जुड़े, लोकप्रिय चेहरों को मौका देगी जो सभी को साथ लेकर चलेंगे।

'पंथक शिक्षा और जत्थेदार संतोख सिंह' विषय पर हुई विचार गोष्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पंथक शिक्षा संस्थानों के संस्थापक जत्थेदार संतोख सिंह की 96वीं जयंती के अवसर पर कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में ÷पंथक शिक्षा और जत्थेदार संतोख सिंह÷ विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विचार चर्चा के दौरान सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, बैंकिंग और राजनीतिक क्षेत्र के विद्वानों ने पंथक मुद्दों के प्रति जत्थेदार संतोख सिंह की भूमिका के बारे में गंभीरता से अपनी राय व्यक्त की। वक्ताओं में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन इकबाल सिंह लालपुरा, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के पूर्व कुलपति डॉ. जसपाल सिंह, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना, इलाहाबाद बैंक के पूर्व अध्यक्ष हरभजन सिंह, गुरू नानक देव खालसा कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. हरमीत सिंह एवं दिल्ली कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष कुलवंत सिंह बाठ शामिल थे। दिल्ली कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने संगतों का धन्यवाद किया। एक पुलिस अधिकारी के रूप में लालपुरा ने 20 सितंबर 1981 को चौक मेहता में संत जरनैल सिंह भिंडरावाले की गिरफ्तारी के अवसर पर 50 हजार लोगों की सभा में जत्थेदार संतोख सिंह द्वारा उनकी मौजूदगी में दिए गए भाषण को याद करते हुए कहा कि जत्थेदार संतोख सिंह एक अच्छे राजनेता के साथ-साथ अल्पसंख्यकों के बड़े नेता भी थे। उनके पास प्रधानमंत्री का दरवाजा खटखटाकर उनसे बात करने की ताकत थी। यदि जत्थेदार संतोख सिंह अधिक समय तक जीवित रहते तो हम ऑपरेशन ब्लू स्टार नहीं देखना पड़ता। क्योंकि भिंडरावाले और इंदिरा गांधी दोनों ही जत्थेदार संतोख सिंह की बात मानते थे। लेकिन यह हमारा दुर्भाग्य है कि 40 साल बाद भी हम जत्थेदार संतोख सिंह जैसा नेता पैदा नहीं कर सके। हालाँकि जत्थेदार संतोख सिंह के पास किताबी ज्ञान नहीं था, लेकिन उनमें आत्मिक ऊर्जा थी।

डॉ. जसपाल सिंह ने जत्थेदार संतोख सिंह के साथ बिताए गए समय को याद करते हुए कहा कि जत्थेदार संतोख सिंह ने अमीर विरासत को संरक्षित करने और विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए खुले दिल से काम किया था। उनके प्रमुख कार्यों में गुरू तेग बहादर साहिब की कैद की निशानी कोतवाली कौम को दिलवाना, महरौली में कुतुब मीनार के पास डॉक्टर गंडा सिंह से बाबा बंदा सिंह बहादर के शहीदी स्थल का सत्यापन करवाकर गुरुद्वारा साहिब की स्थापना करवाना और गुरू हरिक्रिशन पब्लिक स्कूलों तथा खालसा कॉलेजों की स्थापना करवाना शामिल था। इसके साथ ही जत्थेदार संतोख सिंह ने अपनी समृद्ध विरासत पर हमले से सचेत रहते हुए पंथक शिक्षण संस्थानों की स्थापना करना आवश्यक समझा था। डॉ. जसपाल सिंह ने कहा कि जत्थेदार संतोख सिंह की एक बड़ी खूबी थी कि वे धर्म और विरासत पर खतरा देखते ही राजनीति से दूर होकर धर्म के साथ खड़े हो जाते थे। सरना ने एक दबंग आदमी के तौर पर जत्थेदार संतोख सिंह की खूबियों का जिक्र किया। सरना ने कहा कि जत्थेदार संतोख सिंह बुद्धिमान और सम्मानित सिखों को हमेशा अपने साथ रखते थे। यही कारण है कि गुरु हरिक्रिशन पब्लिक स्कूलों का उनके द्वारा लगाया गया पौधा अब पेड़ बन चुका है। लेकिन वर्तमान दिल्ली कमेटी प्रबंधकों की अक्षमता के कारण यह पेड़ अब ढहने की कगार पर है। सबसे अमीर कमेटी अब 700 करोड़ रुपये के कर्ज तले दबी हुई है। सरना ने सिखों के दुश्मन मीर मन्नू और जकरिया खान की रूह दिल्ली कमेटी के मौजूदा प्रबंधकों में आने का दावा करते हुए संगतों को इनका सामाजिक बहिष्कार करने का आह्वान किया।

हरभजन सिंह ने कहा कि जत्थेदार संतोख सिंह ने लड़कियों के लिए माता सुंदरी कॉलेज की स्थापना करके सिख परिवारों के लिए प्रगति का रास्ता खोला था। क्योंकि ऐसा माना जाता है कि एक लड़का उच्च शिक्षा प्राप्त करके केवल अपना ही फायदा करता है, लेकिन एक लड़की उच्च शिक्षा प्राप्त करके पूरे परिवार की प्रगति का रास्ता खोलती है। बाठ ने दिल्ली कमेटी और खालसा स्कूलों के प्रबंध में अनियमितताओं के लिए कमेटी सदस्यों के साथ संगत को भी दोषी ठहराया, जो प्रलोभनों के तहत सदस्यों को चुनती हैं। डॉ. हरमीत सिंह ने पंथक संस्थानों की प्रगति का श्रेय जत्थेदार संतोख सिंह के स्कूलों और कॉलेजों की प्रबंधन समितियों में गैर-राजनीतिक हस्तक्षेप को दिया।

जीके ने वक्ताओं से सहमति जताते हुए कहा कि यदि जत्थेदार संतोख सिंह का जीवन 1981 से आगे बढ़ा होता तो श्री दरबार साहिब पर कोई सैन्य हमला नहीं होता और न ही 84 सिख नरसंहार होता। जत्थेदार संतोख सिंह ने अपनी योग्यता और नेक नीति से दिल्ली में पंथक शिक्षा संस्थानों की नींव रखी थी। मंच संचालन की सेवा संभालते हुए दिल्ली कमेटी के पूर्व मीडिया सलाहकार डॉ. परमिंदर पाल सिंह ने पंथक शिक्षा के निर्माण की यात्रा में सिंह सभा लहर के संस्थापक प्रोफेसर गुरमुख सिंह और ज्ञानी दित्त सिंह के योगदान को याद किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध उद्योगपति डॉ. राजिंदर सिंह चड्ढा, रघुबीर सिंह जोड़ा, शिरोमणी अकाली दल दिल्ली स्टेट के अध्यक्ष महिंदर पाल सिंह चड्ढा, शिरोमणी कमेटी सदस्य हरमनजीत सिंह, भूपिंदर सिंह आनंद, गुरमिंदर सिंह मठारू, दिल्ली कमेटी सदस्य परमजीत सिंह राणा, बीबी रणजीत कौर, सतनाम सिंह खीवा, महिंदर सिंह, जतिंदर सिंह साहनी, तजिंदर सिंह गोपा, कुलतारन सिंह, अनूप सिंह घूम्मन, जतिंदर सिंह सोनू, सुखविंदर सिंह बब्बर और सतनाम सिंह जग्गा के साथ दिल्ली कमेटी के पूर्व सदस्य हरिंदरपाल सिंह, हरजीत सिंह जीके, हरजिंदर सिंह, तेजपाल सिंह, गुरदेव सिंह भोला, मंगल सिंह, स्त्री नेता मनदीप कौर बख्शी और रामगढिया नेता सुखदेव सिंह रियात, जगजीत सिंह मुद्दड़ आदि मौजूद थे।